

## डॉ. लॉयड कैर, गीतों का गीत, व्याख्यान 3

© 2024 लॉयड कैर और टेड हिल्डेब्रांट

गीतों के गीत पर डॉ. लॉयड कैर का यह तीसरा व्याख्यान है। डॉ. लॉयड कैर. सोलोमन के गीत की प्रमुख समस्याओं में से एक यह पता लगाने की कोशिश करना है कि टुकड़ा वास्तव में कैसे संरचित है।

दो या तीन विकल्प हैं। अधिकांश समकालीन टिप्पणीकार इस स्थिति पर कायम हैं कि इस पुस्तक में हमें जो मिला है वह वास्तव में अलग-अलग कविताओं का एक संग्रह है जो एक सामान्य विषय, यानी प्रेम कविता के आधार पर एक साथ खींचा गया है, लेकिन इसमें कोई वास्तविक एकता नहीं है। या इकाइयों में एकजुटता, कि वे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, व्यक्तिगत लेखकों, लेखकों, अलग-अलग समय और स्थानों पर बिखरे हुए हैं, लेकिन कहीं न कहीं उन्हें एकत्रित किया गया, एक साथ लाया गया, और उस रूप में व्यवस्थित किया गया जो अब हमारे पास है उन्हें। यह एक काफी सामान्य दृष्टिकोण है, और समानता में इसके लिए कुछ आधार है, उदाहरण के लिए, मिस्र की प्रेम कविता में, जहां हमारे पास कई संग्रह एक साथ एकत्रित होते हैं, और फिर संग्रह एक साथ एकत्रित होते हैं।

उदाहरण के लिए, मिस्र की सामग्री में चेस्टर बीट्टी के गाने हैं, जिनमें एक आंतरिक सामंजस्य है, और फिर सात की एक श्रृंखला है जो पुरुष और महिला के बीच बारी-बारी से बोलती है। अन्य गीतों की एक श्रृंखला है जो उसी के समान हैं जिन्हें एकत्र किया गया है, और फिर संग्रहों को एक साथ लाया गया है। मैं कुछ मिनटों में उस पर वापस आना चाहता हूं क्योंकि उस संग्रह के बीच में एक दिलचस्प छोटा टुकड़ा है जिसे कुछ लोगों ने गीतों के गीत से निपटने में एक व्याख्यात्मक बिंदु के रूप में उठाया है जिसका मृत्यु और अंतिम संस्कार की व्यवस्था से कुछ लेना-देना है, जैसा कि मिस्र में काफी आम था, लेकिन हम कुछ मिनटों में उस पर वापस आएंगे।

यहां विचार यह है कि अलग-अलग स्थानों और अलग-अलग समय की इन विभिन्न कविताओं को एक साथ लाया गया है क्योंकि उनमें उनके प्रेम संबंधों का यह सामान्य विषय है। यह एक बहुत ही दिलचस्प परिप्रेक्ष्य है, लेकिन मेरे लिए, इसमें एक बड़ी समस्या है। कविता में जो चीजें बहुत स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं उनमें से एक यह है कि इसमें छंदों, शब्दों, विचारों की बड़ी संख्या में बहुत सटीक पुनरावृत्तियां हैं, जो मुझे कम से कम यह संकेत देती हैं कि यह टुकड़ा बहुत सावधानी से संरचित है।

यह सिर्फ एक अव्यवस्थित संग्रह नहीं है, और हम एक या दो क्षणों में इसे कुछ विस्तार से देखना चाहेंगे। गीत की व्याख्या या गीत की संरचना से संबंधित दूसरी समस्या यह है कि क्या यह एकता है या नहीं? और दूसरा, यदि यह एकता है, यदि यह एक विशेष काल के एक लेखक की एक प्रकार की कृति है, तो क्या इसमें किसी प्रकार का अनुक्रमिक क्रम है? दूसरे शब्दों में, क्या यह शुरू से अंत तक चलता है? लेकिन जैसा कि हमने इस चर्चा में पहले कहा था, गीत के बारे में एक बात यह है कि यह एक नाटक के रूप में काम नहीं करता है क्योंकि इसमें इस अर्थ में कोई सामंजस्य नहीं है कि यह शुरू होता है, कथानक की घटनाओं की एक श्रृंखला की ओर बढ़ता है, और फिर आता है किसी निष्कर्ष पर। जैसा कि हमारे पास है यह गाना एक तरह से गोलाकार है।

आप एक ही स्थान से शुरू करते हैं, आप इधर-उधर और इधर-उधर घूमते हैं, और एक ही स्थान पर बाहर आते हैं ताकि कोई प्रगति न हो। अब गीत की व्याख्या के लिए इसके कुछ निहितार्थ हैं, और इसका क्या अर्थ है, और फिर हम इसे बाद में थोड़ा और विस्तार से देखेंगे, लेकिन इस स्तर पर यह कहना पर्याप्त है कि क्या यह चीजों की एक क्रमिक श्रृंखला है, कि घटनाएँ शुरुआत से अंत तक किसी प्रकार के निष्कर्ष की ओर बढ़ रही हैं, यह गीत की सामग्री के साथ कुछ बड़ी समस्याएं पैदा करता है। यह प्रेम कविताओं की एक श्रृंखला है, या तो व्यवस्थित या एक ही लेखक द्वारा, और कहानी में घटनाएँ जैसे-जैसे सामने आती हैं, उस क्रम से बाहर लगती हैं जिसे हम एक सामान्य रिश्ता मानते हैं।

यहां पुरुष और महिला के बीच का रिश्ता बहुत स्पष्ट रूप से यौन है, और इस बात का स्पष्ट संकेत है कि शुरू से ही इस युवा जोड़े के दिमाग में यही बात है। और शायद ही वह बात है जो आप कहना चाहते हैं, कि बाइबिल का रिकॉर्ड विवाह पूर्व यौन संबंध को मंजूरी देता है। और यहां स्थिति यह है कि, यदि यह अनुक्रमिक है, तो यह एक कठिन तर्क है जिसे बनाने की आवश्यकता नहीं है।

यहां तीसरी कठिनाई, और कम से कम तीसरा दृष्टिकोण वास्तव में कोई कठिनाई नहीं है, इस पुस्तक को, कविताओं के इस संग्रह को एक विशेष रूप के रूप में देखना है जो हमें नैतिक और नैतिक समस्याओं से निपटने में मदद करेगा, यदि हम इसे इस रूप में लेते हैं एक अनुक्रमिक चीज़, और मुझे लगता है, इस विचार पर काफी दृढ़ता से प्रतिक्रिया भी देती है कि यह केवल सामग्रियों का एक बेतरतीब संग्रह है। और इसका संबंध गाने को प्रस्तुत करने के तरीके से है। अब मैंने पहले उल्लेख किया था कि जिन तरीकों से हम इसे देख सकते हैं उनमें से एक को चियास्टिक संरचना कहा जाता है।

यह शब्द हमारे पास ग्रीक अक्षर ची से आया है, जो एक ऐसा अक्षर है जो अंग्रेजी वर्णमाला के बड़े अक्षर x जैसा दिखता है। इस रूप का वर्णन करने के लिए अक्षर का उपयोग किया जाता है जो क्रॉस-आकार का होता है। और जैसा कि मैंने पहले बताया था, इसका एक उदाहरण यह होगा कि आपको एक कविता, या किताब या जो भी हो, के पहले भाग में एक खंड ए और एक बी खंड मिलता है, और फिर कविता के दूसरे भाग में, आप उलट देते हैं बी सेक्शन और ए सेक्शन।

तो, दो बाहरी सिरे x के इस भाग पर हैं, और दो आंतरिक सिरे x के उस भाग पर हैं। अब यह बाइबिल सामग्री में एक काफी सामान्य संरचना है। हमने इसके बारे में पहले भी बात की है, और हमारे पास कई भजनों में और अन्य स्थानों पर, कभी-कभी अध्यायों में इसका एक अच्छा उदाहरण है। और सोलोमन के भजन के मामले में, मुझे लगता है, हमारे पास एक अच्छा मामला है जिसे पूरी किताब को चिस्टिक रूप में व्यवस्थित करने के लिए बनाया जा सकता है।

अब मैंने पहले कहा था कि इस स्तोत्र में प्रस्तावना, शीर्षक, 1-1 मिलाकर कुल 117 छंद हैं। वह संभवतः बाद का संस्करण है। तो, पाठ में शीर्षक सहित कुल 116 छंद हैं।

और यह बहुत दिलचस्प है कि पुस्तक का केंद्र बिंदु, जो अध्याय 4 के श्लोक 16 से शुरू होता है और अध्याय 5, श्लोक 1 के अंत में समाप्त होता है, बीच में दो-पद्य अनुक्रम है, कि बाकी छंद स्तोत्र में अन्य 114, बीच में उन दो छंदों से पहले और बाद में, बिल्कुल आधे में विभाजित हैं। आप कहते हैं, अच्छा, तो क्या? दो को बीच में रखें, जाहिर तौर पर आपको दोनों तरफ आधा-आधा मिलेगा, लेकिन इसमें उससे भी ज्यादा कुछ है। क्योंकि अध्याय 4 के श्लोक 16 और अध्याय 5 के 1 श्लोक इस स्तोत्र की धुरी हैं, जिसके चारों ओर बाकी सब कुछ हल हो जाता है।

हम थोड़ा समय लेंगे और इस पर कुछ सटीक विवरण देखेंगे, लेकिन हमें जो मिला है वह चरणों की एक श्रृंखला है जो 4:16 और 5:1 तक जाती है, और फिर 5:2 से अंत तक जाती है। पुस्तक के अध्याय 8 में, वे चरण उल्टे क्रम में खुलते हैं। और हमारे पास बहुत सारी विस्तृत शब्दावली, बहुत सारे समान विचार, बहुत सारी समान अभिव्यक्तियाँ हैं, जिससे हम काम कर रहे हैं, ताकि पुस्तक की संरचना को देखते हुए, 4.16 से 5.1 वह टिका है जिस पर दो हिस्से हैं पुस्तक के चारों ओर घूमते हैं, या जिस बिंदु के चारों ओर वे घूमते हैं। अब, आइए इसे थोड़ा विस्तार से देखें।

आरंभ करने के लिए कुछ बातें। सबसे पहले, पुस्तक पाँच बिल्कुल स्पष्ट इकाइयों में विभाजित है। यदि आपके पास अपनी बाइबलें हैं, तो हो सकता है कि आप इसका अनुसरण करना चाहें।

पहली इकाई पहले अध्याय के श्लोक 2 से शुरू होती है, इसमें शीर्षक की गिनती नहीं की जाती है, और यह अध्याय 2, श्लोक 7 से होकर गुजरती है। दूसरी इकाई अध्याय 2, श्लोक 8 से शुरू होती है, और अध्याय 3, श्लोक 5 से चलती है। फिर तीसरी इकाई अध्याय 3, श्लोक 6 से शुरू होती है, और अध्याय 5, श्लोक 1 तक चलती है, ताकि अंतिम धुरी श्लोक खंड 3 का अंत हो। खंड 4 श्लोक 5, श्लोक 2 से शुरू होता है और अध्याय के श्लोक 4 पर समाप्त होता है। 8, और फिर खंड 5 अध्याय 8 के पांचवें श्लोक से शुरू होता है, और पुस्तक के अंत तक जाता है, अध्याय 8, श्लोक 14। अब, यह बहुत सीधा लगता है, लेकिन आइए इसे फिर से थोड़ा और विस्तार से देखें। पहली इकाई में, अध्याय 1, श्लोक 2, अध्याय 2 के श्लोक 7 के माध्यम से, मैंने उस इकाई को प्रत्याशा कहा है, जिसमें प्रेमी और प्रेमिका अपने मिलन और अपनी संगति और एक साथ समय बिताने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

वे इसका इंतजार कर रहे हैं। वह इकाई श्लोक 7 के साथ समाप्त होती है, और यही वाक्यांश है। स्त्री बोल रही है, हे यरूशलेम की पुत्रियों, मैं तुम्हें चिकारे या मैदान की हिंडनियों के द्वारा शपथ दिलाती हूँ, कि जब तक यह न चाहे, तब तक तुम न तो प्रेम जगाओ और न जगाओ, या शायद उस अंतिम वाक्यांश का बेहतर अनुवाद, जब तक कि वह तैयार न हो जाए। जब तक सब कुछ सेट न हो जाए।

अब, यह इस पहली इकाई का चरमोत्कर्ष है। यूनिट की शुरुआत एक पुकार से होती है, हे कि तुम मुझे अपने मुंह के चुंबन से चूमोगे। तो, प्रत्याशा है, और अब इस पहली इकाई के अंत में, बहुत जल्दी शुरुआत न करें।

जब तक यह तैयार न हो जाए, तब तक प्रेम को उत्तेजित न करें। दूसरी इकाई दूसरे अध्याय के श्लोक 8 से शुरू होती है, मेरे प्रिय की आवाज, देखो, वह पहाड़ों पर छलांग लगाता हुआ, पहाड़ियों पर चढ़ता हुआ आ रहा है। मेरा प्रिय चिकारे वा जवान हरिण के समान है।

हम बाद में इस इकाई पर थोड़ा और विस्तार से लौटेंगे। लेकिन यहां दूसरी इकाई में विषय को मैंने पाया और खोया और पाया के रूप में पहचाना है। तो, इस खंड की कहानी में लड़की अपने प्रेमी को ढूंढती है, और फिर अध्याय 3 में, पहली कविता में, वह गायब हो जाता है।

उसे उसके लिए शहर के चारों ओर शिकार करना पड़ता है, और फिर उस इकाई के अंत में, अध्याय 3 के श्लोक 4 में, वह उसे फिर से अपनी भटकन में पाती है। और यह इकाई उसी तरह समाप्त होती है जिस तरह पहली इकाई समाप्त हुई थी। अध्याय 3 का पद 5, हे यरूशलेम की पुत्रियों, मैं तुम को चिकारे वा मैदान के हिरन के द्वारा शपथ दिलाता हूं, कि जब तक बात तैयार न हो जाए, तब तक तुम न तो प्रेम जगाओ और न जगाओ।

तो, पहली इकाई में प्रत्याशा चिकारे और मैदान के हिंडस के बारे में उस छोटे से वाक्यांश के साथ समाप्त होती है और प्यार बहुत जल्दी शुरू नहीं होता है। दूसरी इकाई, वे एक साथ हैं, वे अलग हो गए हैं, और अब वे फिर से एक साथ आ गए हैं। और फिर, यह आदेश, बहुत जल्दी शुरू न करें।

तीसरी इकाई वाक्यांश से शुरू होती है, वह मार्ग जिसे हमने पहले देखा था, यह बारात जंगल से आ रही थी, धुएं के एक स्तंभ की तरह, लोहबान और लोबान से सुगंधित। यह अध्याय 5 के श्लोक 1 के साथ समाप्त होता है, मैं अपने बगीचे में आता हूं, मेरी बहन, मेरी दुल्हन, मैं अपने मसाले के साथ अपना लोहबान इकट्ठा करता हूं, मैं अपने शहद के साथ अपना छत्ते खाता हूं, मैं अपने दूध के साथ अपनी शराब पीता हूं। खाओ, हे दोस्तों, और गहराई से पीओ, हे प्रेमियों, या वैकल्पिक अनुवाद में, अपने संभोग में गहराई से पीओ।

इस इकाई को मैंने केवल पूर्णता के रूप में पहचाना है। यदि हम इसे एक विवाह कविता के रूप में देख रहे हैं, तो यह शादी का जश्न और हनीमून की शुरुआत होगी, जो इस जुलूस के साथ शुरू होगी और फिर बगीचे में पूरी होगी जब प्रेमी और प्रेमिका अपनी शादी को संपन्न करेंगे। अब, ध्यान दें, कि यह इकाई इस बात पर समाप्त नहीं होती है कि जब तक यह न चाहे तब तक प्रेम को उत्तेजित या जागृत न करें, क्योंकि अब समय आ गया है।

ये शादी है, ये शादी है, ये वक्र है प्यार के इज़हार का। लेकिन पूर्णता का विचार वहीं है और यूनिट शादी और उत्सव की दिशा में इस विकास के साथ शुरू होती है। इकाई 4, 5.2 से आरंभ और 8.4 में समाप्त, दूसरी इकाई का उलटा है, जो पाई गई और खो गई, और फिर से पाई गई, यह एक तरह से कोष्ठक में है।

यह, यह निम्नलिखित अध्याय 5:2 में हार है। मेरा प्रिय दस्तक दे रहा था, मैंने दरवाज़ा नहीं खुलने दिया, और वह चला गया, मुझे थोड़ी देर के लिए छोड़ दिया, और फिर वह उसे ढूंढने की कोशिश करती हुई बाहर चली गई, और अंततः वह खुल गई। यदि तुम्हें मेरा प्रिय मिल जाए, तो उससे

कहना कि मैं प्यार से बीमार हूँ, और फिर यरूशलेम की बेटियों के बीच बार-बार चर्चा होती है, और अंततः, जब तक हम अध्याय 8, चौथे पद पर पहुंचते हैं, वे फिर से मिल जाती हैं।

यह अध्याय 2:8-3:5 में दूसरी इकाई के कई विचारों को दोहराता है, खोया और पाया। फिर अंतिम इकाई, 8.5 से शुरू होकर अध्याय के अंत तक, मैंने इसे केवल पुष्टिकरण के रूप में पहचाना है। यह एक अनुमोदन है, निश्चितता का एक बयान है कि जो कुछ पहले हुआ था उसे अब सहन किया गया है, और यह पूरे रिश्ते की पुष्टि है।

और यहां अंतिम खंड में, ठीक है, बस एक क्षण का बैकअप लें। अध्याय 8 के छंद 5 से खंड शुरू होता है, वह कौन है जो अपने प्रिय पर झुकते हुए जंगल से आ रही है? अब यह तीसरी इकाई की शुरुआत की प्रत्याशा में बहुत करीब है। यह क्या है जो जंगल से धुँके खम्भे के समान आ रहा है? तो, वहाँ वह, उस तरह की चीजों में से एक है, जो इसे स्पष्ट करती है।

तब यह समाप्त होता है, पद 14, हे मेरे प्रियों, फुर्ती करो, मसालों के पहाड़ों पर चिकारे वा युवा हिरन के समान बनो। अब 8.14 का निष्कर्ष बिल्कुल पिछले वृत्तांत की तरह नहीं है, प्यार को तब तक न जगाएं जब तक यह पसंद न हो, लेकिन आपको अभी भी गजलें और यह लिंक यहां मिला है, यह मेरा प्रिय है, और वह एकता है। तो फिर, यह एक सटीक या सटीक समानांतर नहीं है, लेकिन यह बहुत, बहुत करीब है।

तीसरा, विवाह समारोह है, और यह पांचवां समापन के विचार के साथ संपन्न होता है। अन्य तीन बहुत जल्दी आरंभ न करने के विचार के साथ हैं, और हम यहां हैं। अब खंड शुरू होते हैं, जैसा कि मैंने पहले ही संकेत दिया है, एक या तो उत्तेजना के विचार के साथ, अध्याय 2, 10वां श्लोक, या प्रेमियों में से एक के आगमन और दूसरे के निमंत्रण के साथ।

तो, इकाइयाँ इसमें बहुत अच्छी तरह से फिट होती प्रतीत होती हैं, आरंभ करें, बहुत तेजी से न चलें, आरंभ करें, बहुत तेजी से न जाएं, प्रारंभ करें, पूर्ण करें, प्रारंभ करें, बहुत तेजी से न जाएं, प्रारंभ करें, समाप्ति अंत में फिर से, और पुष्टि। तो वह संरचना काफी करीब से फिट लगती है। अब इसके अलावा, पुस्तक और इसकी संरचना के बारे में कुछ बहुत विशिष्ट विवरण हैं।

यह दोहराव का चक्र है, लेकिन इन इकाइयों के माध्यम से शब्दावली में बहुत करीबी समानताओं की एक श्रृंखला भी है। आइए यहां गीत और इसकी कुछ संरचनाओं में इसे थोड़ा और करीब से देखें। प्रत्याशा।

पहला अध्याय, प्रस्तावना के बाद पहले दो श्लोक, शीर्षक के बाद। 1, 2 से 1, 4. भला होता कि तू मुझे अपने मुंह के चुम्बनों से चूमता, क्योंकि तेरा प्रेम दाखमधु से भी उत्तम है, तेरे अभिषेक का तेल सुगन्धित है, तेरा नाम उंडेला हुआ तेल है, इस कारण कुमारियां तुझ से प्रेम रखती हैं। मुझे अपने पीछे खींच लो, हम फुर्ती करें, राजा ने मुझे अपने कक्ष में बुला लिया है, हम तुम्हारी बड़ाई करेंगे और तुम्हारे कारण आनन्दित होंगे, हम तुम्हारे प्रेम की प्रशंसा दाखमधु से भी अधिक करेंगे, वे तुम से प्रेम करते हैं।

प्रेयसी, स्त्री, उसका पहला अनुरोध अपने प्रेमी से होता है कि वह उसे चूमे, उसे कक्ष में ले जाए और वहाँ अपने प्यार का गुणगान करे और आनन्द मनाए। यह उनका पहला अनुरोध है। अब संक्षेप में, यहाँ चौथे श्लोक के मध्य में राजा शब्द के प्रयोग पर ध्यान दें।

कुछ लोगों ने इसे राजा सोलोमन के संदर्भ के रूप में लिया है और वह इस लड़की को अपने हरम में लाने की कोशिश कर रहे हैं और शायद ऐसा नहीं है। यह राजा, रानी, दुल्हन, प्रेमी, बहन, भाई शब्दावली के उन मानक रूपों में से एक है जो प्रेम कविता में आम है। तो शायद यह सिर्फ एक, ठीक है, वह हमें इस स्थिति में ले जाने के लिए एक रानी की तरह व्यवहार कर रहा है।

हालाँकि, तुरंत ही, श्लोक 5 से श्लोक 7 तक, आपको मनोदशा में बदलाव देखने को मिलता है। हे यरूशलेम की पुत्रियों, मैं केदार के तम्बुओं और सुलैमान के परदों के समान बहुत साँवला परन्तु सुन्दर हूँ। मेरी ओर मत देखो, क्योंकि मैं साँवला हूँ, क्योंकि धूप ने मुझे झुलसा दिया है।

मेरी माता के पुत्र मुझ से क्रोधित हुए, उन्होंने मुझे दाख की बारियों का रखवाला तो ठहराया, परन्तु मैं ने अपनी दाख की बारी की रखवाली नहीं की। हे मेरे प्राण के प्रियो, मुझे बताओ, तू अपनी भेड़-बकरियोंको कहां चराता, और दोपहर को उनको कहां बैठाता है? मैं तेरे साथियोंकी भेड़-बकरियोंके पास क्यों चरा करता हूँ? अब यह इकाई अपना अनुरोध नहीं बल्कि एक प्रकार की अनिश्चितता व्यक्त कर रही है। वह एक शर्मिली छोटी महिला है।

वह कुछ परिस्थितियों में काफी साहसी हो सकती है, यह हम बाद में देखेंगे, लेकिन शर्मिलेपन और निर्भिकता के बीच एक तनाव है। उसके शर्मिलेपन का एक कारण यह है कि वह नहीं सोचती कि वह बहुत सुंदर है। तो, असामान्य क्या है? अधिकांश लड़कियाँ यह नहीं सोचती कि वे बहुत सुंदर हैं, भले ही उनमें से बहुत सारी हैं।

वह इस समय एक सामान्य व्यक्ति है। जाहिर है, श्लोक 6 के अनुसार, वह नहीं चाहती कि कोई उसकी ओर देखे क्योंकि वह धूप से पूरी तरह झुलस चुकी है। वह धूप से झुलस गई है।

और वह हमें बताती है कि उसके भाई उससे बहुत खुश नहीं थे, इसलिए उन्होंने उसे खेत में बड़ा करने और अंगूर के बगीचे की देखभाल करने के लिए भेज दिया। और वह धूप से झुलस गयी। संभवतः उसका माथा जल गया, उसकी नाक लाल हो गई और उसकी भुजाएँ धूप से झुलस गईं।

और वह इससे बहुत खुश नहीं है। लेकिन उसे चिंता है कि वह अभी भी अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती है। वह दूसरों को नहीं चाहती, लेकिन वह जानती है कि वह चिंतित होगी, वह जैसी है उससे खुश होगी।

और इसलिए, वह उसकी तलाश में निकल जाती है। सातवें पद में, वह बाहर जाती है, वह स्पष्ट रूप से भेड़ों के साथ काम कर रहा है, और वह कहता है, मुझे बताओ कि तुम अपने झुंड को कहाँ चराते हो, मैं तुम्हें ढूँढ़ने आना चाहता हूँ। मुझे बताओ कि तुम दोपहर के भोजन के समय कहाँ आराम करते हो, मैं तुम्हें ढूँढ़ने आना चाहता हूँ।

वह नहीं चाहती कि श्लोक 7 की तरह उसे घुमक्कड़ों में से एक माना जाए। वे कौन होंगे? संभवतः स्थानीय वेश्याएँ। वे वही होंगे जो चरवाहों और अन्य लोगों की तलाश में इधर-उधर भटक रहे होंगे।

वह उनसे उलझना नहीं चाहती। वह अपना प्रेमी, अपना दोस्त ढूँढना चाहती है। वह बहुत शर्मीली और बहुत अनिश्चित है।

अब, तीसरे खंड में, पहले अध्याय के छंद 8-11 में, उसका प्रेमी प्रकट होता है और वह बोलता है और वह काफी उत्साहवर्धक है। हे स्त्रियों में सुन्दरी, यदि तुम नहीं जानती हो, तो झुंड के पीछे चलो और अपने बच्चों को चरवाहों के डेरों के पास चराओ। हे मेरे प्रिय, मैं तुम्हारी तुलना फिरौन के रथों की घोड़ी से करता हूँ।

तेरे गाल आभूषणों से, और तेरी गर्दन मणियों की लड़ियों से शोभायमान है। हम तुम्हारे लिये चाँदी से जड़ित सोने के आभूषण बनायेंगे। अब वह उससे कह रहा है, हाँ, तुम सुंदर हो, सुंदर हो, तुम बहुत अच्छी दिखती हो, तुम सुंदर हो।

वास्तव में, आप सेक्स अपील में सर्वश्रेष्ठ हैं। यह घोड़ी, जिसे युद्ध के रथों और घोड़ों के बीच छोड़ दिया गया है, सभी प्रकार के भ्रम का कारण बनती है। प्रिये, तुम मेरे साथ यही करते हो।

मैं तुमसे प्यार करता हूँ और आइए इसे साझा करें। आप सुंदर हैं, आपके गाल, आपके आभूषण, आपकी गर्दन, और वास्तव में, हम आपको और भी अधिक सोने और चाँदी के आभूषण देने जा रहे हैं। अगले छोटे खंड में, पहले खंड के 12-14, लड़की फिर से बोल रही है।

जब राजा अपने सोफ़े पर था, फिर से श्लोक 4 का संदर्भ, राजा और फिर, इस मामले में, उसका प्रेमी। मेरी जटा ने अपनी सुगन्ध, अपना इत्र फैलाया। मेरा प्रिय मेरे लिये गन्धरस की थैली है जो मेरी छातियों के बीच में पड़ी है।

एन गेदी के अंगूर के बागों में मेंहदी के फूलों का एक समूह मुझे प्रिय है। इसलिए वह खुद को उन लोगों की आंखों के बजाय अपने प्रेमी की आंखों से देखना शुरू कर रही है जो उसका तिरस्कार करना चाहते हैं और उसे दूर कर देना चाहते हैं। वह पहले ही भूल चुकी है कि वह धूप से झुलस गई है।

वह तो बस उसके प्रति उसकी रुचि से खुश हो रही है। और फिर यह पहला खंड प्रेमी और प्रेमिका के बीच एक प्रकार के मजाक-मजाक के आदान-प्रदान के साथ समाप्त होता है। देखो, तुम सुंदर हो, मेरे प्रिय।

तुम सुंदर हो। तुम्हारी आँखें कबूतर के समान हैं। रब्बी परंपरा का विचार है कि सुंदर आँखें एक सुंदर चरित्र की निशानी हैं।

इसलिए वह न केवल उसके रूप को पसंद करता है, बल्कि वह यह भी पसंद करता है कि वह कौन है और क्या है। आप खूबसूरत हैं। तुम्हारी आँखें कबूतर के समान हैं।

तुम सुंदर हो, मेरी प्रियतमा, सचमुच प्यारी हो। हमारा सोफ़ा हरा है। हमारे घरों की शहतीरें देवदार की हैं।

वह वहां बहुवचन है। मकान हैं, सिर्फ़ एक मकान नहीं। और छतें चीड़ की हैं।

वह यहाँ किस बारे में बात कर रहा है? खैर, जाहिर है, प्रेमी और प्रेमिका देश में कहीं बाहर हैं। वे शायद पहाड़ी पर हैं, जहां वे छाया में लेटे हुए हैं। और वे उस पेड़ की छाया के नीचे हैं।

उनके ऊपर के राफ़्टर्स पाइन बीम या देवदार बीम हैं। और छत पेड़ों पर पत्तियाँ या सुइयाँ हैं। बहुत साधारण तस्वीर, लेकिन देखो वे इसके साथ क्या करते हैं।

यह वह स्थान बन जाता है जहां वे एक साथ होते हैं, जहां वे अपना प्यार साझा कर रहे होते हैं। और यह एक बहुत ही दिलचस्प मूल भाव बन जाता है जो बाकी कविता में चलता है। अब, अध्याय 2 के पहले भाग में, जो इस पहली इकाई का अंत है, वह जवाब देती है, मैं शेरोन का गुलाब, घाटियों का एक लिली हूँ।

वास्तव में यहीं फूल है, हमें यकीन नहीं है। निःसंदेह, शेरोन, प्राचीन इज़राइल के उत्तरपूर्वी तट के साथ का मैदान था। वहाँ जंगली फूल उगे।

और यह शायद किसी प्रकार का डैफ़ोडिल या उन प्रकार के फूलों में से एक है जो बल्बों से उगते हैं। गुलाब शब्द का अर्थ कुछ ऐसा है जो बल्ब पैदा करता है या बल्बनुमा होता है, न कि हमारे जैसा गुलाब। तो, यह शायद किसी प्रकार का डैफ़ोडिल या एक फूल है, ऐसा ही कुछ।

वह घाटियों की एक लिली है। घाटी की लिली नहीं जैसा कि पुराने किंग जेम्स संस्करण में है, हमारे छोटे सफ़ेद बेल के आकार के फूल की तरह नहीं, बल्कि एक लिली जो शेरोन के साथ नीचे घाटियों में उगती है। वह खुद को एक छोटी सी साधारण देहाती लड़की के रूप में पहचान रही है, लेकिन उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं है।

जैसे झाड़ियों के बीच में सोसन सोसन होता है, वैसा ही मेरा प्रेमी, मेरी प्रेमिका कुंवारियों के बीच में है। लड़की, तुम सबसे सुंदर हो। आप घाटी में सभी कंटीली झाड़ियों के बीच एकमात्र लिली की तरह हैं।

मैं सचमुच आपके बारे में बहुत सोचता हूँ। पद 3 में वह उत्तर देती है, जैसे जंगल के वृक्षों के बीच सेब का वृक्ष है, वैसे ही नवयुवकों के बीच मेरा प्रिय है। मैं बड़े आनन्द से उसकी छाया में बैठता हूँ और उसका फल मुझे मीठा लगता है।

वह मुझे भोज के घर में ले आया, और मेरे ऊपर प्रेम का झंडा फहराया, मुझे किशमिश खिलाकर तृप्त किया, सेब खिलाकर मुझे तरोताजा किया, क्योंकि मैं प्रेम से बीमार हूँ। उसका बायाँ हाथ मेरे सिर के नीचे था, उसका दाहिना हाथ मुझे गले लगा रहा था। हे यरूशलेम की पुत्रियों, मैं तुम को



चिकारे वा मैदान के हिरन के द्वारा शपथ देता हूं, कि तुम जब तक न चाहे तब तक प्रेम न जगाओ, और न जगाओ।

यह अंतिम इकाई वह महिला है जो फिर से बोल रही है क्योंकि वह तारीफों का जवाब देती है और अपने प्रेमी को उसकी उपस्थिति में मिलने वाले स्पष्ट आनंद का जवाब देती है, और वह इसे साझा करने में प्रसन्न होती है। अब, हम इस तरह से पूरी पुस्तक का अध्ययन नहीं करेंगे, लेकिन इससे आपको यह अंदाज़ा हो जाएगा कि आदान-प्रदान कैसे हो रहा है। प्रेमी से प्रियतम, यरूशलेम की बेटियाँ, वहाँ जो स्त्रियाँ देख रही हैं, दिलचस्प समूह।

वे कई बार सामने आते हैं, और यहां उनके बारे में केवल एक टिप्पणी करना उचित होगा क्योंकि इसका व्याख्या पर थोड़ा प्रभाव पड़ता है। हिब्रू मुहावरे में, किसी को किसी चीज़ का बेटा कहना आवश्यक रूप से उस व्यक्ति से शारीरिक वंश को इंगित करना नहीं है, बल्कि यह किसी ऐसे व्यक्ति को व्यक्त करता है जिसके पास उस व्यक्ति के चरित्र या विशेषताएं हैं जिसके साथ उसकी पहचान की जा रही है। पिता के पुत्र में पिता के कुछ गुण होते हैं, शायद शारीरिक रूप या दृष्टिकोण, मानसिक बातें।

बाइबिल की सामग्री कुछ लोगों के धार्मिकता की संतान या बेटे या बेटियां होने के बारे में बात करती है, यानी वे धार्मिक होने का चरित्र दिखाते हैं। या, उदाहरण के लिए, नए नियम का मामला जहां यीशु लोगों को शैतान, आपके पिता शैतान की संतान होने की बात करते हैं। उनमें आसुरी लक्षण हैं।

खैर, मुझे लगता है कि हमारे पास भी इसी तरह की चीज़ है। जेरूसलम की बेटियां वे महिलाएं हैं जो शहर की लड़कियों की विशेषताओं को दर्शाती हैं, थोड़ी अधिक परिष्कृत, समुदाय की संस्कृति में थोड़ी अधिक शामिल, जहां वह खुद को एक किसान की बेटी, एक अंगूर की खेती करने वाले की बेटी के रूप में पहचानती है, जो वहां काम करती है। मैदान। तो, वह एक देहाती लड़की है।

ये शहरी लड़कियाँ, वास्तव में सर्वश्रेष्ठ हैं। उनके पास सभी बेहतर कपड़े हैं, उनके पास सभी बेहतर चीजें चल रही हैं, और यहां उनकी तुलना उनके साथ की जा रही है, और उसके प्रेमी ने कहा, आप उन लड़कियों की तुलना में सबसे अच्छे हैं, बहुत बेहतर हैं। तो वह जवाब देती है, ठीक है, शहरी लड़कियों, चीजों को इतनी जल्दी मत करो।

आइए प्यार को उसका उचित समय लेने दें। इस दूसरे अध्याय पर, यह एक तरह से कुछ ऐसी प्रत्याशा है जिसे मैं थोड़ा बाद में करने जा रहा था, लेकिन चूंकि हम यहाँ हैं, हम इसे अभी देखेंगे। मैंने उस दिन उल्लेख किया था, पिछली बार जब हम इसे देख रहे थे, कि गीत की व्याख्या के साथ समस्याओं में से एक शब्दावली है।

गाने के आधे से अधिक शब्द असामान्य शब्द हैं। गीत में केवल लगभग 18 छंदों में कोई असामान्य शब्द नहीं है, और इस चौथे छंद में, हमें इस तरह के कुछ उदाहरण मिले हैं। अब, मैंने

इसे विशेष रूप से चुना क्योंकि यह पाठ वह है जिसे अक्सर संगीत पर सेट किया जाता है और रविवार की सुबह प्राथमिक विद्यालय में या चर्च में बच्चों के साथ गाया जाता है।

वह मुझे भोज घर में ले आया, मेरे ऊपर उसका झण्डा प्रेम का था। निहितार्थ यह है कि यीशु हमें अपनी उपस्थिति में, भोज कक्ष में ले आए, और अब हम अपने प्रति उनके महान प्रेम के प्राप्तकर्ता हैं, जैसा कि नए नियम में बताया गया है। अब, यह सब बिल्कुल सच है, लेकिन कुछ कारणों से इसे इस पाठ से प्राप्त करना थोड़ा मुश्किल है।

ध्यान दें कि हम यहां संदर्भ में हैं, और यदि आप पाठों को उनके संदर्भ में लेने का प्रयास करते हैं, तो यह अधिक समझ में आता है। हम यहां एक युवा महिला के रिश्ते के संदर्भ में हैं जो अपने प्रेमी की शारीरिक उपस्थिति का आनंद ले रही है। मैं बड़े आनन्द से उसकी छाया में बैठ गया, और उसका फल मुझे मीठा लगा।

श्लोक 5, मुझे किशमिश खिलाओ, मुझे सेब खिलाओ, मुझे तरोताजा करो, मैं प्यार में इतना डूब गया हूँ कि मैं बीमार हो गया हूँ। यहाँ, दो चीजें हैं. एक, प्राचीन दुनिया में सेब को अक्सर कामोत्तेजक माना जाता था।

उनमें प्रेम उमड़ पड़ा। अगला श्लोक, बहुत जल्दी मत जाओ। किशमिश।

साहित्य में कई ग्रंथ हैं, बाइबिल और अन्य प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथ, जहां किशमिश, या अधिक विशेष रूप से, किशमिश से बने छोटे केक, प्रजनन अनुष्ठान के हिस्से के रूप में मूर्तिपूजक देवी-देवताओं को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद का हिस्सा थे। . तो, किशमिश में भी कामोत्तेजना का गुण होता है। अब, पद 4 उस छोटे से अंश के ठीक मध्य में है।

इससे हमें यह संकेत मिल सकता है कि हमें इस विशेष श्लोक की व्याख्या के बारे में थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। वह मुझे भोज घर में ले आया। अब यह शब्द ऐसा है जो पुराने नियम में कहीं और नहीं मिलता है, यह विशेष रूप से यहीं है, और इसका अर्थ शराब का घर है।

दो छोटे शब्द संयोजन. अब, दुनिया में शराब का घर क्या है? खैर, कुछ संभावनाएं हैं। यह केवल अंगूर का बाग हो सकता है जहां अंगूर उगाए जाते हैं और शराब एकत्र की जाती है।

यह एक संभावना है. दूसरी संभावना यह है कि यह वह स्थान हो सकता है जहां वाइन का निर्माण किया जाता है, या जहां अंगूरों को रौंदा जाता है और रस एकत्र किया जाता है, और फिर इसे बोतलबंद किया जाता है, अलग रखा जाता है, और अंततः, जैसे ही यह किण्वित होता है और परिपक्व होता है, यह वाइन बन जाता है। वहां शराब का घर यही होगा.

ये हो रहा है. तीसरा विकल्प यह है कि यह वह स्थान है जहां शराब का सेवन किया जाता है। समकालीन शब्दावली में मधुशाला या पब, क्लब।

अब, उनमें से कोई भी इस संदर्भ में समझ में आएगा। वह मुझे भोज घर में ले आया। शायद वे बाहर खेतों में, अंगूर के बागों में, लताओं के पीछे छुपे हुए हों।

हो सकता है कि वे वहां भंडारगृह में छुपे हों। वे अपने प्यार का इज़हार करने के लिए किसी जगह की तलाश में हैं, इसलिए हो सकता है कि वे उस जगह पर वाइनस्किन के पीछे हों। या, संभवतः, या इससे भी अधिक संभावना है, वह मुझे भोज घर में ले आया।

वह मुझे शराब के गिलास के लिए बाहर पब में ले गया। मुझे नशे में डालने के इरादे से नहीं, बल्कि कम से कम मुझे थोड़ा गर्म करने के इरादे से नहीं। मुझे भोज घर में ले आये।

मेरे ऊपर उनका बैनर प्रेम था, और यहीं पर हमें इस विशेष कविता से निपटने में कुछ वास्तविक कठिनाई होती है। अब, यह थोड़ा भ्रमित करने वाला हो गया है, इसलिए मुझे यहां कुछ नोट्स का कुछ संदर्भ देना होगा। मैं इंटरवर्सिटी द्वारा प्रकाशित टिंडेल ओल्ड टेस्टामेंट श्रृंखला में सोलोमन के गीत पर अपनी टिप्पणी पर काम कर रहा हूँ।

यह अध्याय 2, श्लोक 4 में इकाई है। अब, यहाँ समस्या दोहरी है। पहला वह शब्द है जिसका अनुवाद यहां बैनर के रूप में किया गया है। मेरे ऊपर उसका बैनर प्रेम था।

यह कोई बहुत सामान्य शब्द नहीं है। यह पुराने नियम में 18 बार और संख्याओं की पुस्तक में और यहाँ सोलोमन के गीत के इस अंश में कई बार आता है। यह शब्द बहुत आम नहीं है, और जहां यह संख्याओं और पुराने नियम के बाकी हिस्सों में होता है, वहां यह किसी प्रकार का प्रतीक या ध्वज प्रतीत होता है।

इसका उपयोग युद्ध के संदर्भ में किया जाता है, जहां वे युद्ध के लिए जा रहे हैं, और युद्ध ध्वज का उपयोग उस इकाई के विपरीत इस इकाई की पहचान करने के लिए किया जाता है। इस सन्दर्भ में यहाँ यह शब्द प्रचलित है। सोलोमन के गीत में यहां एकमात्र उपयोग पुराने नियम की तरह एक संज्ञा का है, और इसका संभवतः वही अर्थ है।

हम इसके बारे में बिल्कुल निश्चित नहीं हैं। कुछ ऐसा जो व्यक्ति की पहचान का प्रतीक हो। यहाँ यह हो सकता है, मैं उसका झंडा फहरा रहा हूँ।

मैं उसका पिन पहन रहा हूँ। मैं उसकी अंगूठी पहन रहा हूँ या जो कुछ भी आप इस व्यक्ति के साथ अपनी पहचान बनाने के लिए करते हैं। मैं उसका झंडा फहरा रहा हूँ।

खैर, यह एक संभावना है। इसके साथ कठिनाई यह है कि इसे इस तरह से करने का संदर्भ में कोई खास मतलब नहीं है। मुझे लगता है कि इसकी बेहतर समझ यहां संभावित उपयोग को देखना है कि यह एक संज्ञा नहीं बल्कि एक क्रिया हो सकती है।

मौखिक रूप के कई संदर्भ हैं, और किसी भी मामले में, वे उसी विचार से संबंधित हैं जहां यदि यह एक संज्ञा है तो यह उड़ने वाला बैनर है। यदि यह एक क्रिया है, तो इसका अर्थ है देखना, बैनर को देखना, उसकी ओर देखना, उसे पहचानना और इसलिए उसकी ओर बढ़ना। अब, यहाँ शब्द केवल हिब्रू में नहीं है।

यह अक्काडियन, प्राचीन निकट पूर्वी बोली में भी आम है। वहाँ, इसी मौखिक मूल में, हमेशा नहीं, लेकिन कभी-कभी, इच्छा करने या इच्छा करने, इच्छा की दृष्टि से देखने का भाव होता है। अब, यदि यह वैध है, और इसके लिए काफी अच्छे सबूत हैं, तो हमें यहां जो मिला है वह यह नहीं है कि मैं उसका बैनर लहरा रहा हूँ या मैं उसका झंडा ले जा रहा हूँ, बल्कि वह मुझे इच्छा से देख रहा था, और वह संदर्भ में बहुत बेहतर समझ में आता है।

वह मुझे शराब के घर में ले आया। उसकी इच्छा, या शायद बेहतर होगा, उसका इरादा, मैं उस नज़र से बता सकता था जो वह मुझे दे रहा था, प्यार था, या अधिक विशेष रूप से, उसका इरादा मुझसे प्यार करना था। अब, बैंक चलाने वाला घर, शराब का घर, देखो, प्यार करने का इरादा, शायद ही उस तरह की चीज़ जो आप चाहते हैं कि प्राथमिक बच्चा रविवार स्कूल में जाए, या शायद रविवार की सुबह चर्च में न जाए।

यहां विचार पुस्तक के संदर्भ और इन छंदों के तात्कालिक संदर्भ के साथ बहुत निकटता से जुड़ा हुआ है, और यहां इरादा केवल अध्याय 5 में जो चल रहा है उसे पूरा करना है, ओह, उसका बायां हाथ मेरे सिर के नीचे था और उसका दाहिना हाथ हाथ मुझे गले लगाते हुए। वह चिंतित है, वह चिंतित है, और श्लोक 4 उस दिशा में एक और कदम है। जैसे-जैसे हम नीचे आगे बढ़ेंगे, हम गीत के इस क्रॉस-रेफरेंस, चिस्टिक संरचना के बारे में कुछ और देखेंगे, लेकिन मुझे यहां एक और छोटे अवलोकन के साथ समाप्त करने दीजिए।

अध्याय 8 में, स्त्री कहती है, यदि तुम मेरे लिए उस भाई के समान होते जो मेरी माँ को दूध पिलाता, यदि मैं तुमसे बाहर मिलती, तो मैं तुम्हें चूम लेती, कोई भी मेरा तिरस्कार नहीं करता। मैं तुम्हें ले चलूंगा और तुम्हें अपनी मां के घर में ले जाऊंगा, उसकी कोठरी में जिसने मुझे गर्भवती किया। मैं तुम्हें मसालेदार शराब, अपने अनारों का रस पीने को दूँगा, ओह, कि उसका बायाँ हाथ मेरे सिर के नीचे था और उसका दाहिना हाथ मुझे गले लगा रहा था।

हे यरूशलेम की पुत्रियों, मैं तुम्हें शपथ दिलाता हूँ, कि तुम जब तक न चाहे तब तक प्रेम न जगाओ और न जगाओ। तो, पुस्तक के अंत में, हमें वही विचार, वही रूपांकन और कुछ वही शब्दावली मिली है जो हमें शुरुआत में मिली थी। और यदि आप पुस्तक को ध्यान से देखते हैं, तो आप इसे बार-बार देखते हैं, न केवल बड़े खंडों में, बल्कि विशिष्ट शब्दों तक, अलग-अलग शब्दों को बिल्कुल उसी क्रम में या विपरीत क्रम में, ताकि एक बहुत ही इस पुस्तक में स्पष्ट संरचनात्मक व्यवस्था।

यह यूं ही नहीं हुआ। इसमें बहुत सावधानी से किए गए, संपादित, संरचित कार्य के लक्षण हैं। इसलिए पुस्तक में अपने आप में यह सुझाव देने के लिए कहीं अधिक है कि यह एक एकता है, जिसे ध्यान से एक साथ रखा गया है, न कि यह किसी प्रकार का बेतरतीब संग्रह है।

अब, जब हमें पुस्तक का उद्देश्य समझ में आता है तो अगली बात जो हमें जाँचने की ज़रूरत है वह यह है कि इसमें शामिल पात्र कौन हैं? और यह थोड़ा भ्रमित करने वाला भी हो जाता है। मैं वह पृष्ठ ढूँढ सकता हूँ जिसे मैंने चिह्नित किया था। पुस्तक में पात्रों की संख्या इस पर निर्भर करती है कि आप किससे बात करते हैं।

और इसमें से बहुत कुछ इस बात से सामने आता है कि यहां कौन और क्या चल रहा है। अब, जब हम यहां पात्रों की पहचान करना शुरू करते हैं तो हमारे सामने एक समस्या यह होती है कि पुस्तक में कितनी अलग-अलग इकाइयाँ या खंड हैं। और इस पर बिल्कुल कोई सहमति नहीं है। मैं यहां आपको सिर्फ एक उदाहरण देता हूँ।

संशोधित मानक संस्करण, जिसे मैं पढ़ रहा हूँ, इसे आठ अध्यायों में 36 अलग-अलग इकाइयों में विभाजित करता है। यह किसी भी वक्ता की पहचान नहीं करता है। यह केवल यह मानता है कि आप बता सकते हैं कि यह एक महिला बोल रही है, यह एक पुरुष बोल रहा है, या यह एक समूह बोल रहा है।

नई अंग्रेजी बाइबिल में कुल 38 अध्याय हैं और यह उन्हें तीन समूहों, दूल्हा, दुल्हन और विभिन्न साथियों में विभाजित करता है। नए अंतर्राष्ट्रीय संस्करण में 32 इकाइयाँ हैं, प्रेमी, प्रेमिका और मित्र। जेरूसलम बाइबिल, फ्रेंच अनुवाद, में 26 अक्षर या खंड हैं।

वल्गोट, लैटिन कैथोलिक बाइबिल में 44 हैं। हिब्रू परंपरा में रब्बी इसे 21 इकाइयों के रूप में देखते हैं। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं है कि कौन बोल रहा है।

वे इसे 21 प्राप्त करने के लिए किसी भी पुराने तरीके से विभाजित करते हैं। और अन्य 28 से 29 तक होते हैं। मैंने पहले टोरंटो के विद्वान केल्विन सीरफेल्ड का उल्लेख किया था, जिन्होंने सोलोमन के गीत पर आधारित भाषण दिया था।

उन्होंने इसे 62 अलग-अलग भाषणों और गीतों में विभाजित किया है। जाहिर है, कोई भी वास्तव में सहमत नहीं हो सकता। कमोबेश, कहीं न कहीं 30 के आसपास संभावना है, लेकिन हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हो सकते।

अब, समस्या क्या है? कहानी में महिला काफी सीधी-सादी और काफी स्पष्ट है। यहां केवल एक प्रमुख महिला पात्र है और हम बिल्कुल निश्चित नहीं हैं कि वह कौन है। कुछ संभावनाएं हैं।

अध्याय 6, 13वें श्लोक में, कोई व्यक्ति या कुछ लोगों का समूह, स्पष्ट रूप से यह बहुवचन की तरह दिखता है, कहता है, लौट आओ, लौट आओ, हे शूलेम, लौट आओ, लौट आओ, ताकि हम तुम्हें देख सकें। अब, हम थोड़ी देर बाद इस अनुभाग पर वापस आएं। मैं यहां इसके कुछ विवरणों की जांच करना चाहता हूँ।

लेकिन इस बिंदु के लिए, इस चरण में, महत्वपूर्ण बात यह है कि इस युवा महिला की पहचान शुलामाइट के रूप में की गई है, या यदि आप इसे उचित नाम के रूप में लेते हैं, तो शुलामिथ के रूप में। संभवतः, यह किसी भी तरह से हो सकता है। अब, शूलेमी कौन है या शूलामीत कौन है? परंपरागत रूप से, प्रारंभिक रब्बी व्याख्याओं और अधिकांश अन्य टिप्पणीकारों में, उसकी पहचान देश की एक लड़की के रूप में की जाती है, शायद गलील के छोटे से शहर शुनेम से, हालांकि शुनेम और शुलम के बीच का संबंध बाद के नए नियम की पहचान है।

पुराने नियम काल में ऐसी कोई पहचान नहीं है। लेकिन यह संभव है कि वह शुनेम की लड़की हो। यह एक दिलचस्प छोटी संभावना स्थापित करता है।

1 किंग्स की पुस्तक में हमें राजा डेविड की कहानी मिली है। सैमुएल की पुस्तकों में दाऊद के शासनकाल की अधिकांश कहानियाँ हैं। लेकिन यहां 1 किंग्स के पहले अध्याय में हमें यह टिप्पणी मिलती है।

राजा दाऊद बूढ़ा था और उसकी उम्र बहुत बढ़ गयी थी, और हालाँकि उन्होंने उसे कपड़ों से ढँक दिया था, फिर भी वह गर्म नहीं हो सका। इसलिये उसके सेवक ने उस से कहा, मेरे प्रभु राजा के लिये एक जवान कन्या लाई जाए, और वह राजा की सेवा किया करे, और उसकी धाय ठहरे। वह तेरी गोद में सोए, कि मेरे प्रभु, राजा, को गरमी मिले।

इसलिये वे इस्राएल के सारे देश में एक सुन्दर कन्या ढूँढ़ने लगे, और शूनेमी अबीशग उन्हें मिल गया, और उसे राजा के पास ले आए। युवती बहुत सुंदर थी, और वह राजा की धाय बन गई और उसकी सेवा करने लगी, लेकिन राजा उसे नहीं जानता था। यहां विचार यह है कि यह युवा महिला, अबीशग, शूनेमाइट, सुलैमान की कहानी में महिला रही होगी।

किंग्स की पुस्तक की कहानी में, सुलैमान का एक भाई अबीशग को अपनी पत्नी के रूप में लेना चाहता था, और उसने तुरंत खुद को राज्य से निष्कासित कर दिया क्योंकि वह राजा के स्थान पर दावा करने की कोशिश कर रहा था, जो कि सुलैमान का था। यदि यह गीत सुलैमान के बारे में है, तो शायद शूनेमाइट अबीशग है। यह इसे थोड़ा आगे बढ़ा रहा है, क्योंकि जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले कहा था, शूलम और शुनेम, उन दो नामों के लिंक के लिए पुराने नियम की कोई पहचान नहीं है, लेकिन शायद किसी प्रकार का लिंक है।

जो भी हो, यह युवती एक देहाती लड़की है जो यहां चुनाव करने की स्थिति में है। अब, यहां दूसरी और सबसे कठिन पहचान यह है कि कहानी में कितने पुरुष शामिल हैं, और यह मूल रूप से दो विकल्पों पर आधारित है। एक यह कि यह शूनेमाइट, अबीशग या शूनेम की किसी अन्य लड़की की कहानी है, जिसे राजा सुलैमान के हरम में लाया जा रहा है।

उसकी पहले से ही 700 पत्नियाँ और 300 रखैलें हैं, लेकिन वह एक और चाहता है, इसलिए वह इस युवती को लाने जा रहा है। दुर्भाग्य से राजा सुलैमान के लिए, उसे शुनेम में एक प्रेमी मिल गया है, एक देहाती लड़का, एक चरवाहा, और वह उससे प्यार करती है . वह हरम में नहीं आना चाहती और अगर उसे हरम में ले जाया जाएगा तो यह उसकी इच्छा के विरुद्ध होगा।

वह अपना प्रेमी, अपना प्रेमी चाहती है। तो यहां तनाव पैदा हो गया है कि राजा उसे चाहता है, और वह अपने प्रेमी को चाहती है, उसका प्रेमी उसे चाहता है, और कुछ प्रकार का संघर्ष चल रहा है। दुर्भाग्य से, जब यह पहचानने की बात आती है कि लड़की को विशेष भाषण देने वाला प्रेमी था या राजा सुलैमान, तो टिप्पणीकार सहमत नहीं हो पाते।

कुछ तो साफ़-साफ़ कह देंगे, कि यही सुलैमान है। कुछ लोग कहेंगे, अरे नहीं, बहुत स्पष्ट रूप से, वह दूसरा आदमी है। और केवल पाठ के आधार पर निर्णय लेना असंभव है।

निश्चित रूप से, ऐसा प्रतीत होता है कि यरूशलेम की लड़कियों और उन सभी चीजों को अस्वीकार किया जा रहा है जिनके लिए वे खड़ी हैं। इसलिए, यदि यह दो-व्यक्ति अनुक्रम है, तो हमें व्याख्या और भाषणों को आवंटित करने और अन्य चीजों को सुलझाने की कोशिश में एक बड़ी समस्या है। निःसंदेह, दूसरा विकल्प यह है कि यदि केवल एक महिला और एक पुरुष, उसका प्रेमी हो।

इससे कहानी में निरंतरता का अधिक अर्थ निकलता है, और यह पहचानने की कोशिश करने की समस्या से बचा जाता है कि किसने, किससे और किन परिस्थितियों में क्या कहा। अब, यहां लोगों के कुछ अन्य समूह शामिल हैं। हम पहले ही यरूशलेम की बेटियों के बारे में बात कर चुके हैं।

वे पाठ में कई बार आते हैं। हम पहले ही अध्याय के छंद 6 में इस तथ्य का उल्लेख कर चुके हैं कि इस युवा महिला के भाइयों ने उसे अंगूर के बागों की देखभाल के लिए बाहर खेत में जाने और धूप सेंकने के लिए मजबूर किया। और पुस्तक के अंत में, अध्याय 8, श्लोक 8 में हमारे पास एक और संदर्भ, एक अप्रत्यक्ष संदर्भ है, उन भाइयों के लिए जिनकी पहचान नहीं है लेकिन जो बोल रहे हैं।

यह टिप्पणी है, हमारी एक छोटी बहन है, उसके स्तन नहीं हैं, और वह अभी तक परिपक्व नहीं हुई है। जिस दिन हमारी बहन के बारे में बात हो उस दिन हमें उसके लिए क्या करना चाहिए? कोई उसके पीछे पड़ने वाला है। हम उसकी सुरक्षा कैसे करें? तो, हमें भाई और बहन मिल गए हैं, हमें यरूशलेम से लड़कियाँ मिल गई हैं।

और फिर, अगर हम यहां मध्य भाग में दिए गए अंश को सही ढंग से पढ़ते हैं, तो हमें शादी की दावत में मेहमान मिल गए हैं। जब हम अध्याय 7 और विवाह के उत्सव को कुछ मिनटों में देखेंगे तो हम उन्हें देखेंगे। यहां ऐसे कई मामले हैं जहां ये व्यक्ति बार-बार आते-जाते हैं, लेकिन हम एक-दो पल का समय लेंगे और पुस्तक के उद्देश्य पर गौर करने के बाद उन पर व्यक्तिगत रूप से गौर करेंगे।

यह गीतों के गीत पर डॉ. लॉयड कैर का चार व्याख्यानो में से तीसरा व्याख्यान था।